The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Year-8 Volume: I, Jan-March, 2026 Impact Factor 5.625 (IIFS)
Issue-29 ISSN: 2582-1296 (Online)
Website: www.theasianthinker.com **Email**: asianthinkerjournal@gmail.com

18. जनजातीय समुदाय के वयस्कों में ई-संसाधनों के प्रति जागरूकता एवं उपयोग का अध्ययन: जशपुर जिला के विशेष सन्दर्भ में

रामबीर एक्का
स्वतंत्र शोधकर्ता, छात्र (M.LIB. & I.SC.)
गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय, कोनी, बिलासपुर (छ.ग.)
ईमेल- erambeer@gmail.com
सुनील कुमार साहू
अतिथि ग्रंथपाल
शासकीय अग्रसेन महाविद्यालय, बिल्हा, बिलासपुर (छ.ग.)
ईमेल- ssahu8398@gmail.com

शोध सार

वर्तमान युग सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का युग है, जिसमें ई-संसाधनों (E-Resources) का महत्व निरंतर बढ़ता जा रहा है। ई-संसाधन ज्ञान, सूचना तथा सेवाओं तक त्वरित, सुलभ और व्यापक पहुँच प्रदान करते हैं। विशेष रूप से दूरस्थ एवं जनजातीय क्षेत्रों में ई-संसाधन शिक्षा, प्रशासनिक सेवाओं, स्वास्थ्य संबंधी जानकारी तथा सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण माध्यम बनते जा रहे हैं। इस शोध का मुख्य उद्देश्य जशपुर जिले के जनजातीय समुदाय के वयस्कों में ई-संसाधनों के प्रति जागरूकता के स्तर तथा उनके उपयोग की स्थिति का अध्ययन करना है। साथ ही यह भी जानने का प्रयास किया गया है कि ई-संसाधनों का उपयोग किन उद्देश्यों के लिए किया जा रहा है तथा इनके उपयोग में कौन-कौन से कारक प्रभाव डालते हैं। अध्ययन के लिए सर्वेक्षण विधि का उपयोग किया गया तथा प्राथमिक आँकड़े प्रश्नावली के माध्यम से एकत्र किए गए। एकत्रित आँकड़ों का विश्लेषण प्रतिशत विधि द्वारा किया गया। अध्ययन के परिणामों से यह स्पष्ट हुआ कि जशपुर जिले के जनजातीय समुदाय के वयस्कों में ई-संसाधनों के प्रति जागरूकता का स्तर अपेक्षाकृत उच्च है। शोध के निष्कर्षों के अनुसार लगभग 89% उत्तरदाता ई-संसाधनों के बारे में जागरूक हैं, जबकि 91% उत्तरदाता किसी न किसी रूप में ई-संसाधनों का उपयोग कर रहे हैं। यह दर्शाता है कि डिजिटल तकनीक और इंटरनेट आधारित संसाधन जनजातीय क्षेत्रों में भी धीरे-धीरे व्यापक रूप से स्वीकार किए जा रहे हैं। ई-संसाधनों का उपयोग मुख्यतः संचार, शैक्षणिक जानकारी प्राप्त करने, सरकारी योजनाओं की जानकारी, ऑनलाइन सेवाओं तथा सामाजिक संपर्क के लिए किया जा रहा है। अध्ययन से यह भी ज्ञात हुआ कि स्मार्टफोन की उपलब्धता, इंटरनेट कनेक्टिविटी, शिक्षा का स्तर तथा सरकारी डिजिटल पहलों ने ई-संसाधनों के उपयोग को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। तथापि कुछ चुनौतियाँ जैसे सीमित डिजिटल साक्षरता, इंटरनेट की अनियमित उपलब्धता तथा तकनीकी ज्ञान की कमी अभी भी आंशिक रूप से मौजूद हैं। जशपुर जिले के जनजातीय समुदाय के वयस्कों में ई-संसाधनों के प्रति जागरूकता

The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Year-8 Volume: I, Jan-March, 2026 Impact Factor 5.625 (IIFS)
Issue-29 ISSN: 2582-1296 (Online)
Website: www.theasianthinker.com **Email**: asianthinkerjournal@gmail.com

एवं उपयोग का स्तर संतोषजनक है, जो क्षेत्र के सामाजिक एवं शैक्षणिक विकास के लिए सकारात्मक संकेत है। यदि डिजिटल साक्षरता कार्यक्रमों को और अधिक प्रभावी ढंग से लागू किया जाए तथा इंटरनेट अवसंरचना को सुदृढ़ किया जाए, तो जनजातीय समुदाय ई-संसाधनों का और अधिक लाभ उठाकर अपने समग्र विकास को गति दे सकता है।

प्रस्तावना: वर्तमान युग सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का युग है, जहाँ ज्ञान के सृजन, संप्रेषण और उपयोग में अभूतपूर्व परिवर्तन हुआ है। सूचना के पारंपरिक स्रोतों के साथ-साथ ई-संसाधनों (Electronic Resources) ने शिक्षा, शोध, प्रशासन और सामाजिक विकास के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ई-संसाधन जैसे ई-पुस्तकें, ई-जर्नल, ऑनलाइन डेटाबेस, डिजिटल पुस्तकालय, सरकारी पोर्टल तथा मोबाइल आधारित सूचना सेवाएँ आज ज्ञान तक त्वरित, सुलभ और किफायती पहुँच प्रदान कर रही हैं। भारत एक बहु-सांस्कृतिक एवं बहु-जातीय देश है, जहाँ जनजातीय समुदाय सामाजिक संरचना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। ये समुदाय प्रायः भौगोलिक दृष्टि से दूरस्थ, आर्थिक रूप से कमजोर और शैक्षिक रूप से अपेक्षाकृत पिछड़े क्षेत्रों में निवास करते हैं। जनजातीय समुदायों के सर्वांगीण विकास के लिए सूचना तक पहुँच अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, रोजगार, शासन की योजनाएँ एवं अधिकार संबंधी जानकारी उनके जीवन स्तर में सुधार ला सकती है। इस संदर्भ में ई-संसाधन जनजातीय समुदायों के लिए सशक्तिकरण का एक प्रभावी माध्यम बन सकते हैं।

छत्तीसगढ़ राज्य का जशपुर जिला जनजातीय बहुल क्षेत्रों में से एक है, जहाँ बड़ी संख्या में आदिवासी समुदाय निवास करते हैं। यहाँ के वयस्क जनजातीय नागरिक सामाजिक-आर्थिक विकास की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, किंतु डिजिटल विभाजन (Digital Divide), सीमित तकनीकी ढाँचा, कम डिजिटल साक्षरता तथा जागरूकता की कमी के कारण वे ई-संसाधनों के पूर्ण लाभ से वंचित रह जाते हैं। यद्यपि सरकार द्वारा डिजिटल इंडिया, ई-गवर्नेंस तथा विभिन्न ऑनलाइन सेवाओं के माध्यम से सूचना पहुँचाने के प्रयास किए जा रहे हैं, परंतु इन संसाधनों के प्रति वास्तविक जागरूकता एवं उपयोग की स्थिति का अध्ययन आवश्यक है। इसी परिप्रेक्ष्य में प्रस्तुत अध्ययन "जनजातीय समुदाय के वयस्कों में ई-संसाधनों के प्रति जागरूकता एवं उपयोग का अध्ययन: जशपुर जिला के विशेष संदर्भ में" अत्यंत प्रासंगिक है। यह अध्ययन यह जानने का प्रयास करता है कि जशपुर जिले के जनजातीय वयस्कों में ई-संसाधनों के प्रति कितनी जागरूकता है, वे किन प्रकार के ई-संसाधनों का उपयोग करते हैं, उपयोग में किन बाधाओं का सामना करते हैं तथा इन संसाधनों के उपयोग से उनके सामाजिक-आर्थिक जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है। यह शोध न केवल शैक्षणिक दृष्टि से उपयोगी होगा, बल्कि नीति-निर्माताओं, प्रशासकों एवं विकास योजनाओं के लिए भी महत्वपूर्ण सुझाव प्रदान करेगा।

अध्ययन का क्षेत्र: इस अध्ययन हेतु छत्तीसगढ़ राज्य के आदिवासी बाहुल्य जशपुर जिला का चयन किया गया हैं। यहाँ विविध प्रकार के आदिवासी समुदाय निवास करते हैं, जिससे अध्ययन हेतु विभिन्न प्रकार के जनजातीय समुदाय तक पहुँच संभव हो सका । इस शोध पत्र में जशपुर के जनजातीय समुदाय के युवाओं को लिया गया हैं, जिनमें ई-संसाधन के प्रति जागरूकता एवं उपयोग का अध्ययन करना हैं ।

The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Year-8 Volume: I, Jan-March, 2026 Impact Factor 5.625 (IIFS)
Issue-29 ISSN: 2582-1296 (Online)
Website: www.theasianthinker.com **Email**: asianthinkerjournal@gmail.com

अध्ययन का उद्देश्य: इस अध्ययन के मुख्य उद्देश्य निम्न हैं:

- जनजातीय समुदाय के युवाओं में ई-संसाधनों के प्रति जागरूकता और उपयोग का पता लगाना ।
- जनजातीय युवाओं के बीच ई-संसाधनों के उपयोग की आवृत्ति एवं उद्देश्य का पता लगाना।
- युवाओं द्वारा ई-संसाधनों तक पहुंच के दौरान आने वाली समस्याओं को जानना।
- जनजातीय समुदाय के युवाओं द्वारा ई-संसाधनों तक पहुंचने के लिए उपयोग करने वाले माध्यमों का पता लगाना।
- ई-संसाधन के प्रति जागरूकता में शिक्षकों एवं अभिभावकों के सहयोग का आकलन करना।
- इस शोध का उद्देश्य ई-संसाधनों के प्रति जागरूकता बढ़ाना, उनके समुचित उपयोग को प्रोत्साहित करना एवं शिक्षा को अधिक सुलभ, समावेशी एवं गुणवत्तापूर्ण बनाना है।

सम्बंधित साहित्य का पुनरावलोकन:

साहू, सुनील कुमार (2025) ने अपने शोध पत्र में "पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के स्नातक विद्यार्थियों में ई-संसाधनों के प्रति जागरूकता एवं उपयोग का अध्ययन : संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय के विशेष परिदृश्य में" इस शीर्षक पर अध्ययन किया, इसके लिए इन्होने संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय, अंबिकापुर के स्नातक स्तर में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों का चयन किया एवं गूगल फॉर्म में संरचित प्रश्नावली तैयार कर प्राथमिक आकड़ा प्राप्त किया। इस अध्ययन में इन्होने पाया की अधिकांश विद्यार्थी 83.3% ई-संसाधन के बारे में जानते थे एवं 74.1% विद्यार्थी ई-संसाधनों का उपयोग भी करते थे।

साहू, सुनील कुमार (2025) ने अपने शोध पत्र में "जनजातीय समुदाय के बच्चों एवं वयस्कों में ई-संसाधनों के प्रति जागरूकता एवं उपयोग का अध्ययन : जशपुर जिला के विशेष सन्दर्भ में" इन्होने बताया की ई-संसाधन क्या हैं एवं कैसे इसका उपयोग जनजातीय समुदाय के बच्चे एवं युवा ई संसाधन का उपयोग अध्ययन एवं रोजगार प्राप्त करने में करते हैं। इस अध्ययन में इन्होने पाया की 79% बच्चे एवं युवा जागरूक थे एवं 76% बच्चे एवं युवा इसका उपयोग करते थे।

महातो, मौसमी (2023) ने अपने शोध कार्य "Awareness of e-resources among the library and information science students in SCB university: a study" ई-संसाधन के बारे में बताया और साथ ही साथ इसके लाभ और सीमाओं के बारे में बताया। इस अध्ययन के लिए इन्होंने प्रश्नावली का प्रयोग किया सूचना संग्रहण के लिए एवं प्राप्त आकड़ो का विश्लेषण करने के पश्चात् यह निष्कर्ष दिया की अधिकांश छात्र ई-संसाधनों के बारे में जानते हैं, एवं अधिकांश छात्र (40%) रोजाना ई-संसाधनों का उपयोग करते हैं।

The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Year-8 Volume: I, Jan-March, 2026 Impact Factor 5.625 (IIFS)
Issue-29 ISSN: 2582-1296 (Online)
Website: www.theasianthinker.com **Email**: asianthinkerjournal@gmail.com

डॉ. प्रणेश शांताराम (2024) ने अपने अध्ययन "A study of awareness and use of e-resources among users of degree college libraries" में ई-संसाधन को परिभाषित किया हैं और अध्ययन में पाया की अधिकांश (80 उपयोगकर्ता) ई-संसाधनों के बारे में जानते हैं और 10 छात्र ई-संसाधनों के बारे में नहीं जानते थे। इन्होने ने भी अपने अध्ययन में पाया की अधिकांश बच्चें इन्टरनेट की धीमी गति को अपना प्रमुख समस्या माना जो ई-संसाधन तक पहुँचने में अवरोध उत्पन्न करता हैं।

साहू, सुनील कुमार (2025) ने अपने शोध आलेख में "स्नातक स्तर के छात्रों में ई-संसाधनों के प्रति जागरूकता और उपयोग का अध्ययन : शासकीय राम भजन राय एन.ई.एस. स्नातकोत्तर महाविद्यालय जशपुर नगर (छ.ग.) के विशेष सन्दर्भ में" इन्होने अपने शोध पत्र में महाविद्यालय में पढने वाले स्नातक स्तर के विद्यार्थियों का चयन किया। इस अध्ययन हेतु इन्होने अपने महाविद्यालय में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को एक सुनियोजित तैयार प्रश्नावली गूगल फॉर्म के माध्यम से डेटा संग्रहण हेतु चयन कर, प्राथमिक आकड़ा संग्रहित किया एवं उसका विश्लेषण कर निष्कर्ष निकला। अध्ययन के निष्कर्ष में इन्होने पाया की 73% विद्यार्थी ई-संसाधन के बारे में जागरूक थे एवं 75% ई-संसाधन का उपयोग करते थे।

साहू, सुनील कुमार (2025) ने अपने शोध आलेख में "स्नातकोत्तर विद्यार्थियों में ई-संसाधनों के प्रति जागरूकता और उपयोग का अध्ययन : शासकीय रा.भ.रा.एन.ई.एस. स्नातकोत्तर (अग्रणी) महाविद्यालय जशपुर के सन्दर्भ में" इसमें इन्होने ई-संसाधन के बारे में विविध परिदृश्य से अध्ययन किया, और पाया की स्नातकोत्तर स्तर के विद्यार्थियों में 65.1% लोग जागरूक थे एवं 72.3% विद्यार्थी ई-संसाधन का उपयोग करते थे।

शोध प्रविधि: प्रस्तुत शोध में जनजातीय समुदाय की डिजिटल जागरूकता के मापन हेतु 'सर्वेक्षण विधि' (Survey Method) का प्रयोग किया गया है। इसलिए अध्ययन के उद्देश्यों को दृष्टिगत रखते हुए डेटा संग्रह हेतु एक 'संरचित प्रश्नावली' का निर्माण किया गया। यह प्रश्नावली मुख्य रूप से 'बंद प्रकार' की थी, जिससे उत्तरदाताओं के विचारों का सटीक और संख्यात्मक मूल्यांकन संभव हो सका। डिजिटल माध्यमों की सुलभता हेतु इस प्रश्नावली को 'गूगल फॉर्म' के माध्यम से तैयार किया गया। प्रश्नावली का वितरण विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स जैसे व्हाट्सएप, ईमेल एवं अन्य ऑनलाइन समूहों के माध्यम से किया गया। इससे भौगोलिक रूप से दूरस्थ जशपुर जिले के युवाओं और उत्तरदाताओं तक त्वरित पहुँच सुनिश्चित की गई। न्यायदर्श के चयन के लिए 'व्यापक प्रतिचयन विधि' का उपयोग किया गया है। प्राप्त प्राथमिक आंकड़ों को व्यवस्थित करने के उपरांत उनका सांख्यिकीय विश्लेषण किया गया। सूचनाओं को सुग्राह्य और स्पष्ट बनाने के लिए माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस के टूल्स का उपयोग करते हुए सारणीयन और पाई चार्ट के माध्यम से परिणामों का चित्रात्मक एवं विश्लेषणात्मक प्रस्तुतीकरण किया गया है।

डेटा विश्लेषण और व्याख्या

The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Year-8 Volume: I, Jan-March, 2026 Impact Factor 5.625 (IIFS)
Issue-29 ISSN: 2582-1296 (Online)
Website: www.theasianthinker.com **Email**: asianthinkerjournal@gmail.com

इस अध्ययन में कुल 54 उत्तरदाताओं ने अपनी प्रतिक्रिया प्रदान की जिसमे से 32 पुरुष एवं 22 महिला शामिल हैं। इस अध्ययन में जशपुर जिले में निवास करने वाले विभिन्न जनजातीय समूह (जैसे उरावं, कंवर, नागेशिया आदि) के बच्चे एवं युवा वर्ग शामिल थे जिनका विवरण ग्राफ 2 में दिया गया हैं।

ग्राफ 1 : लिंग-वार उत्तरदाताओं की संख्या

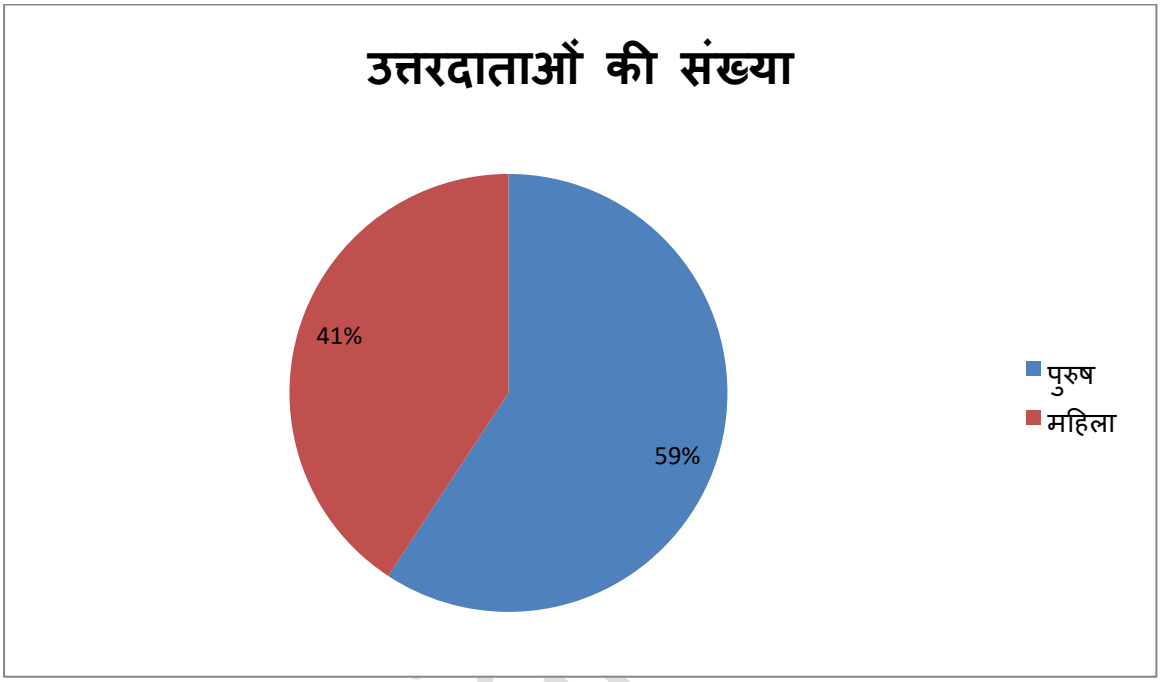

सारणी/ ग्राफ : ई-संसाधनों के प्रति जागरूकता

जागरूकता	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
हाँ	48	89%
नहीं	06	11%
योग	54	100%

सारणी 2 से यह ज्ञात होता हैं की अधिकांश 89% युवा उत्तरदाता ई-संसाधनों के बारे में जानते हैं एवं 11% ई-संसाधनों के बारे में नहीं जानते हैं। निष्कर्ष के रूप में हम कह सकते हैं की अधिकतर युवा में ई-संसाधनों के बारे में जानकारी हैं। उपरोक्त सारणी 2 का ग्राफ में प्रदर्शन निचे किया गया हैं।

The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Year-8 Volume: I, Jan-March, 2026 Impact Factor 5.625 (IIFS)
Issue-29 ISSN: 2582-1296 (Online)
Website: www.theasianthinker.com **Email**: asianthinkerjournal@gmail.com

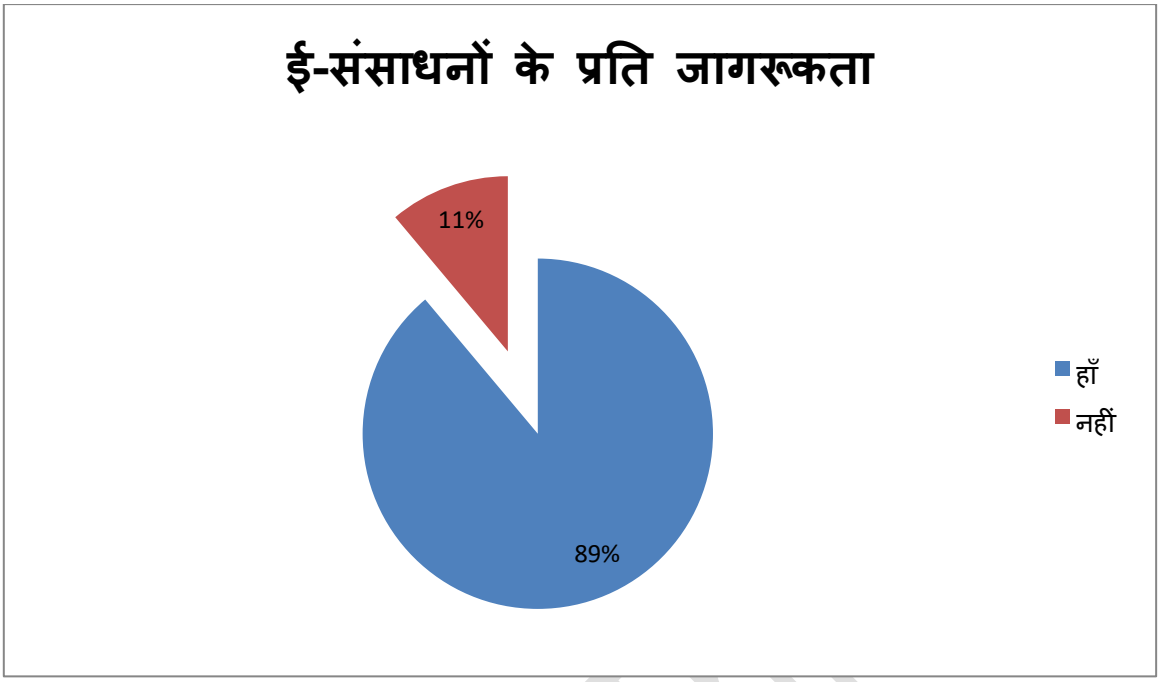

सारणी/ ग्राफ 3: ई-संसाधनों का उपयोग

उपयोग	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
हाँ	49	91%
नहीं	05	09%
योग	54	100%

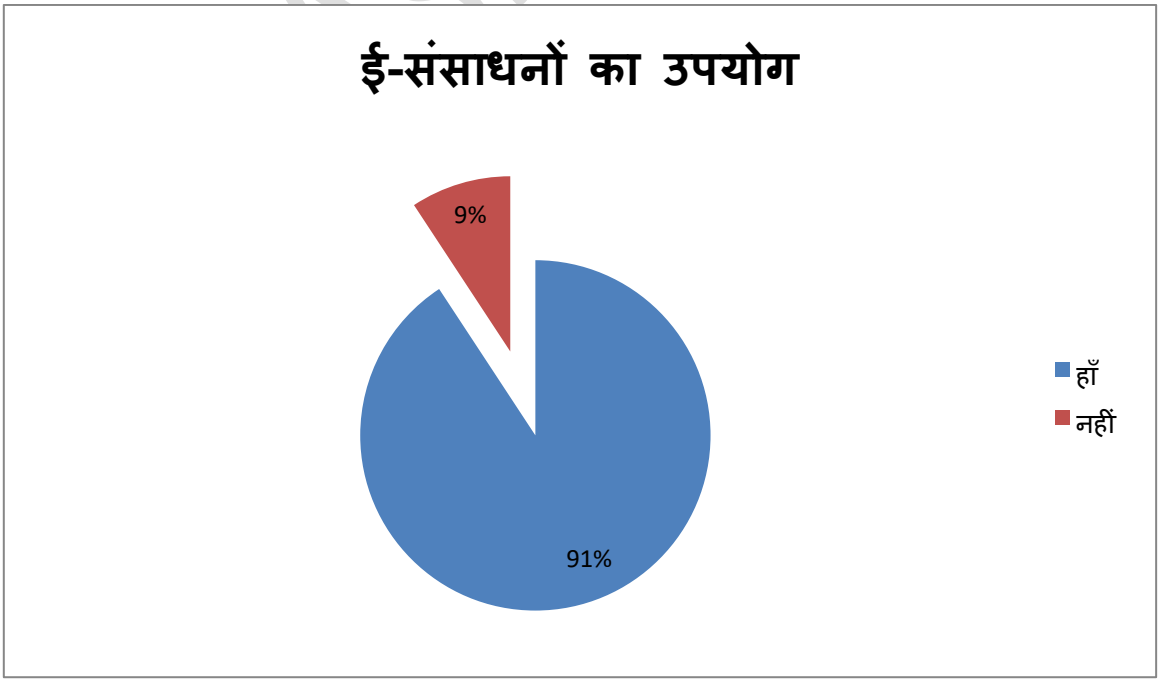

The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Year-8 Volume: I, Jan-March, 2026 Impact Factor 5.625 (IIFS)
Issue-29 ISSN: 2582-1296 (Online)
Website: www.theasianthinker.com **Email**: asianthinkerjournal@gmail.com

सारणी 3 के अवलोकन से यह पता चलता हैं की 91% युवा उत्तरदाता ई-संसाधनों का उपयोग करते हैं एवं 09 % उत्तरदाता ई-संसाधनों का उपयोग नहीं करते हैं। निष्कर्ष के रूप में हम कह सकते हैं की अधिकतर उत्तरदाता में ई-संसाधनों का उपयोग करते हैं।

सारणी/ ग्राफ 4: ई-संसाधनों से सम्बंधित वेबसाइट के प्रति जागरूकता

जागरूकता	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
हाँ	41	76%
नहीं	12	24%
योग	54	100%

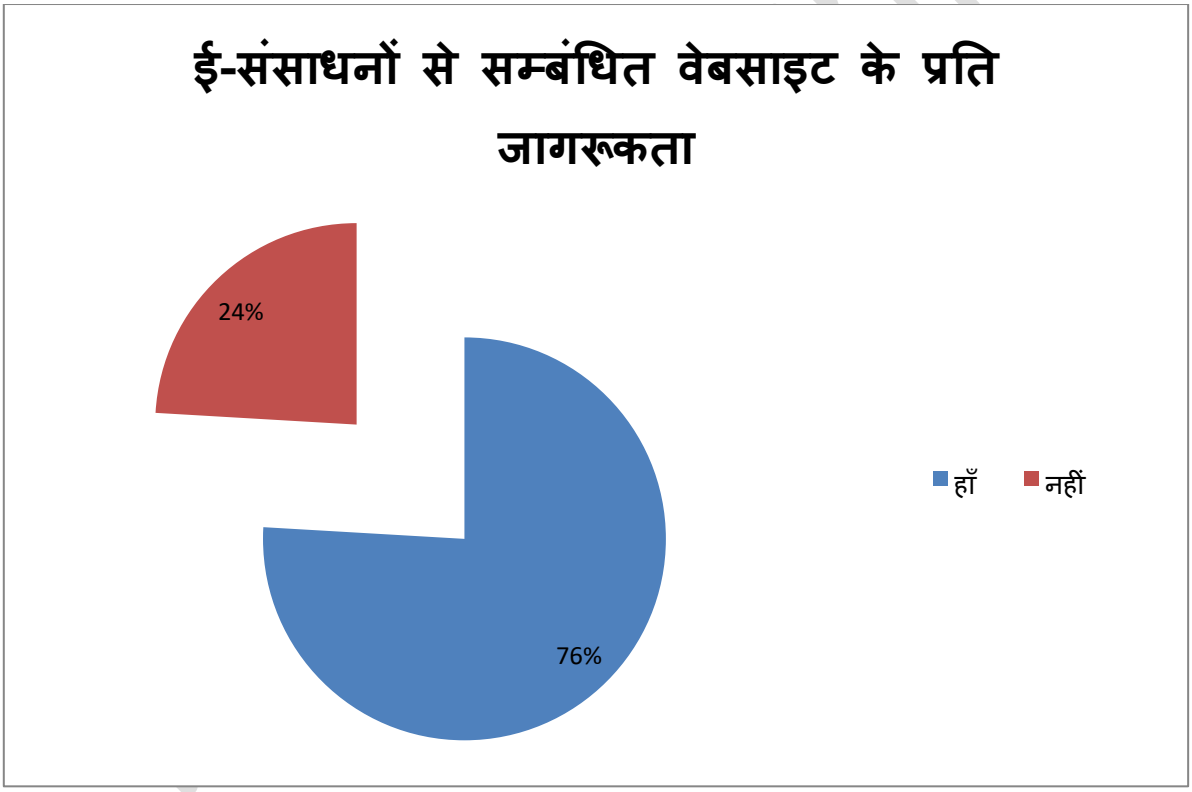

सारणी 4 का अवलोकन करने से ज्ञात होता हैं की अधिकांश 76% युवा ई-संसाधन से सम्बंधित वेबसाइट के बारे में जानते हैं एवं 24% युवा उत्तरदाता ई-संसाधन से सम्बंधित वेबसाइट के बारे में नहीं जानते है। यह वेबसाइट शासन एवं सरकार द्वारा अध्ययन हेतु उपलब्ध हैं, साथ ही साथ ओपन सोर्स माध्यम में भी इन्टरनेट पर उपलब्ध होते हैं, जिनका अवलोकन करके युवा अपना अध्ययन को और बेहतर बना सकते हैं।

The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Year-8 Volume: I, Jan-March, 2026 Impact Factor 5.625 (IIFS)
Issue-29 ISSN: 2582-1296 (Online)
Website: www.theasianthinker.com **Email**: asianthinkerjournal@gmail.com

सारणी/ ग्राफ 5 : ई-संसाधनों के बारे में जागरूकता का स्रोत

स्रोत	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
शिक्षकों के द्वारा	13	24%
पुस्तकालयाध्यक्ष के द्वारा	11	21%
मित्रों के द्वारा	12	22%
सोशल मीडिया के द्वारा	18	33%
योग	54	100%

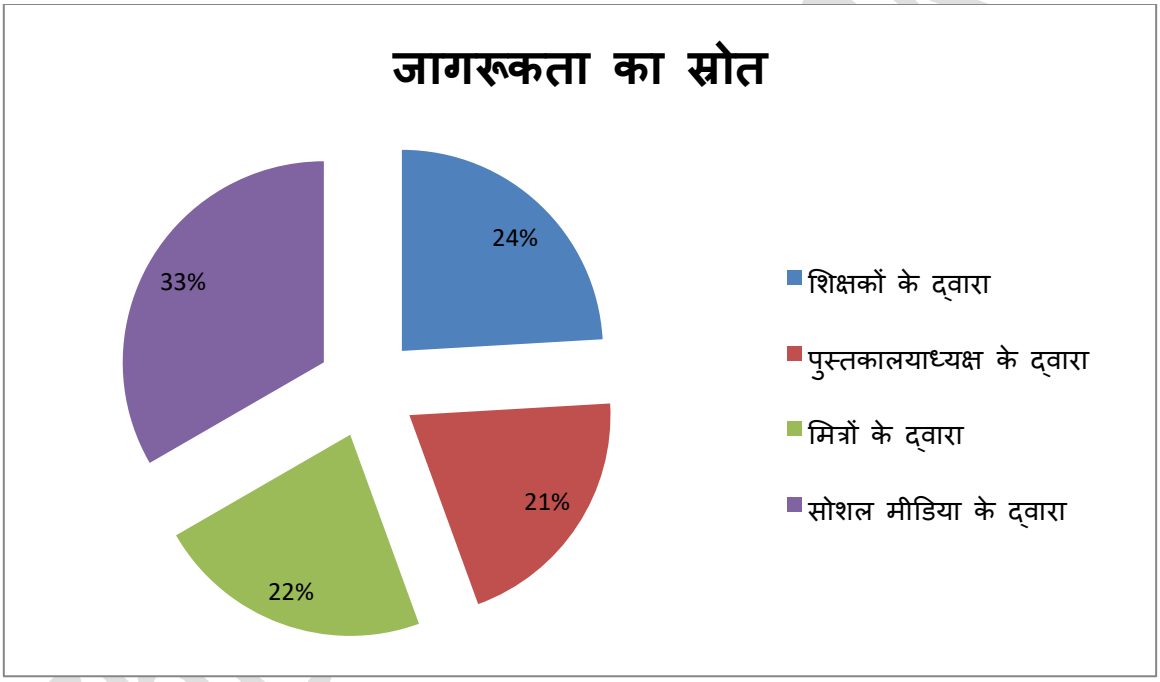

सारणी 5 का अवलोकन करने से यह ज्ञात होता हैं की 24% युवा उत्तरदाता को ई- संसाधनों के बारें में जानकारी शिक्षकों के द्वारा मिला, 21% उत्तरदाता को ई- संसाधनों के बारें में जानकारी पुस्तकालयाध्यक्ष एवं मित्रों के द्वारा प्राप्त हुआ हैं। 33% को ई- संसाधनों के बारें में जानकारी सोशल मीडिया के द्वारा प्राप्त हुआ हैं एवं 22% युवाओं को ई संसाधन के बारे में जानकारी उनके मित्रों के द्वारा प्राप्त हुवा। अतः हम यह कह सकते हैं की अधिकांश उत्तरदाता को सोशल मीडिया द्वारा ई-संसाधन के बारे में जानकारी प्राप्त हुआ हैं।

The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Year-8 Volume: I, Jan-March, 2026 Impact Factor 5.625 (IIFS)
Issue-29 ISSN: 2582-1296 (Online)
Website: www.theasianthinker.com **Email**: asianthinkerjournal@gmail.com

सारणी/ ग्राफ 6: ई-संसाधनों के उपयोग की आवृत्ति

उपयोग की आवृत्ति	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
प्रतिदिन	32	46.3%
साप्ताहिक	10	13%
मासिक	07	14.8%
कभी-कभी	05	25.9%
योग	54	100%

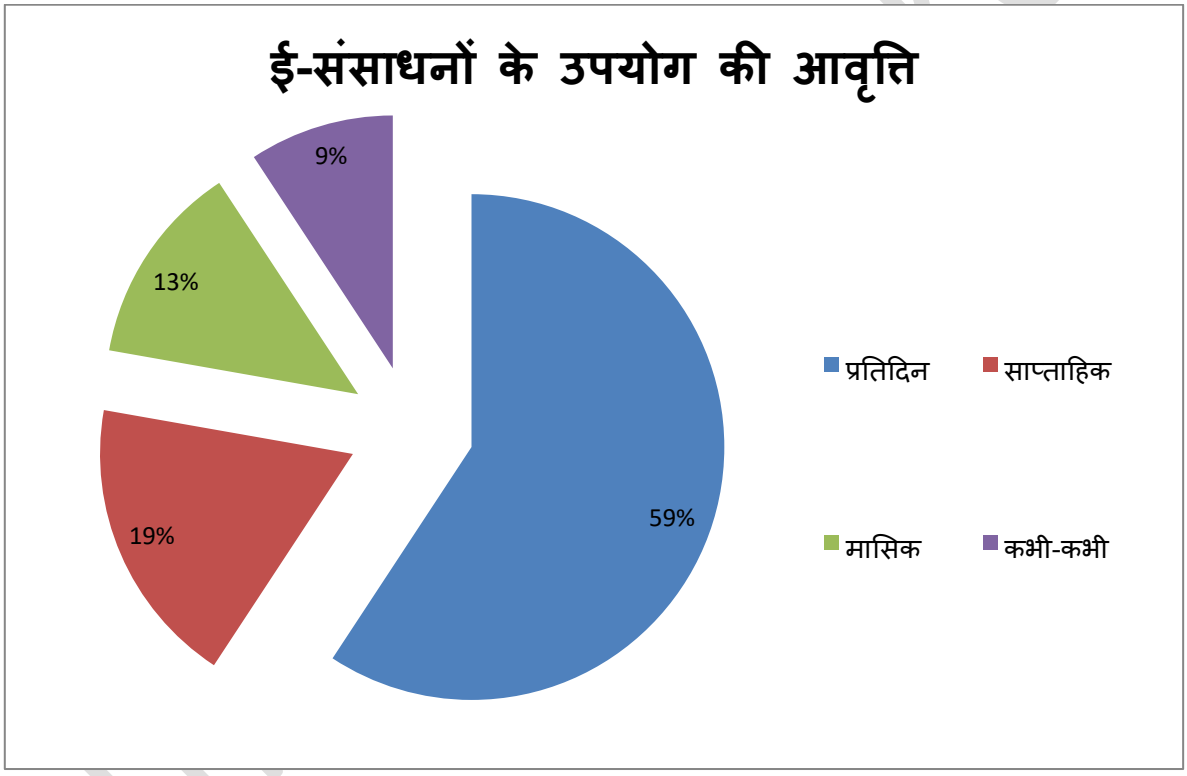

सारणी 6 से यह पता चलता हैं की अधिकांश 46.3% उत्तरदाता प्रतिदिन ई-संसाधनों के उपयोग करते हैं, 13% उत्तरदाता ई-संसाधनों के उपयोग साप्ताहिक, 14.8% उत्तरदाता ई-संसाधनों के उपयोग मासिक करते हैं। 25.9% युवा उत्तरदाता ने कहा की वे ई-संसाधनों के उपयोग कभी-कभी करते हैं। निष्कर्षतः हम कह सकते हैं की अधिकांश युवा प्रतिदिन ई-संसाधनों के उपयोग करते हैं।

The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Year-8 Volume: I, Jan-March, 2026 Impact Factor 5.625 (IIFS)
Issue-29 ISSN: 2582-1296 (Online)
Website: www.theasianthinker.com **Email**: asianthinkerjournal@gmail.com

सारणी/ ग्राफ 7 : ई-संसाधनों तक पहुंचने के लिए प्रयुक्त स्रोत

स्रोत	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
मोबाइल	45	83%
कंप्यूटर	05	09%
लैपटॉप	02	04%
अन्य माध्यम	02	04%
योग	54	100%

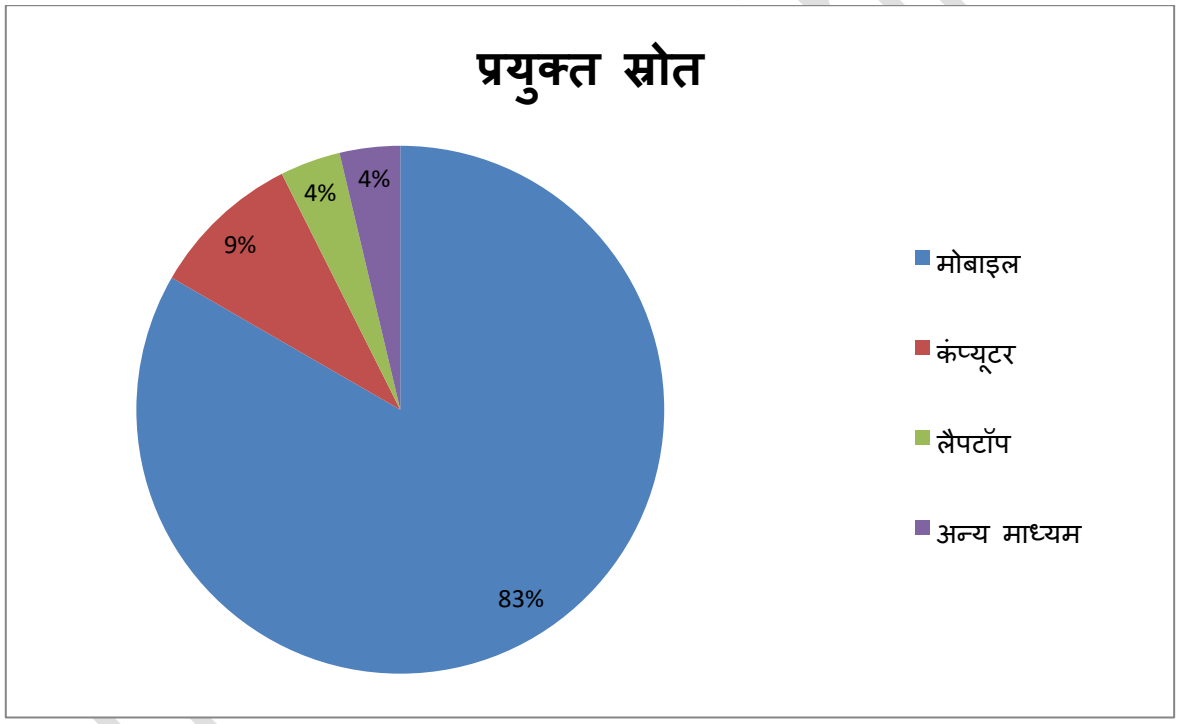

सारणी 7 से यह ज्ञात होता हैं की अधिकतर 83% उत्तरदाता ई-संसाधनों तक पहुंचने के लिए मोबाइल का उपयोग करते हैं, 09% कंप्यूटर का एवं 04% उत्तरदाता लैपटॉप का प्रयोग ई-संसाधनों तक पहुंचने के लिए करते हैं। 04% युवा उत्तरदाता ई-संसाधनों तक पहुंचने के लिए अन्य माध्यम का प्रयोग करते हैं। निष्कर्षतः हम कह सकते हैं की अधिकांश उत्तरदाता मोबाइल का प्रयोग ई-संसाधनों तक पहुंचने के लिए करते हैं।

The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Year-8 Volume: I, Jan-March, 2026 Impact Factor 5.625 (IIFS)
Issue-29 ISSN: 2582-1296 (Online)
Website: www.theasianthinker.com **Email**: asianthinkerjournal@gmail.com

सारणी/ ग्राफ 8 : ई-संसाधनों को पढ़ने के लिए पसंदीदा भाषा

पसंदीदा भाषा	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
हिंदी	23	43%
अंग्रेजी	12	22%
दोनों (हिंदी एवं अंग्रेजी)	10	18%
मिश्रित (हिंदी एवं अंग्रेजी)	09	17%
योग	54	100%

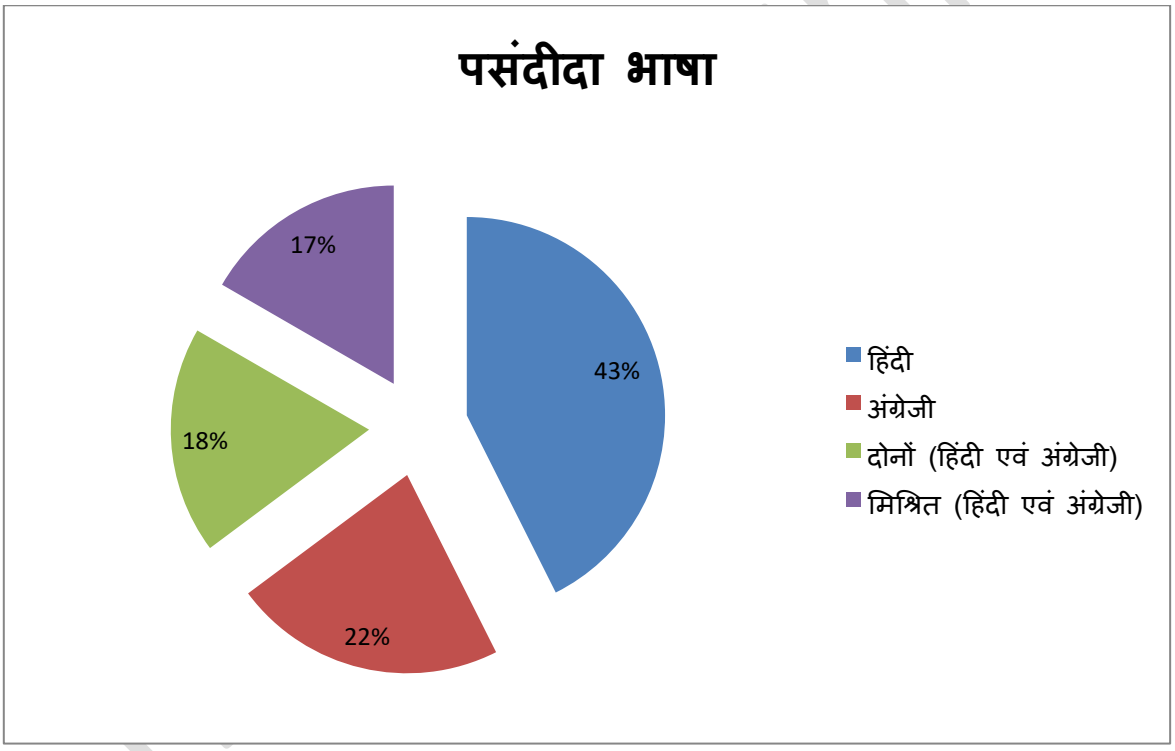

सारणी 8 से यह पता चलता हैं की अधिकतर 43% युवा उत्तरदाता ई-संसाधनों को पढ़ने के लिए हिंदी भाषा को पसंद करते हैं, 18% उत्तरदाता दोनों भाषाओं (हिंदी एवं अंग्रेजी) में सामान्य रूप से पसंद करते हैं एवं 17% उत्तरदाता हिंदी एवं अंग्रेजी का मिश्रित रूप में ई-संसाधनों को पढ़ना पसंद करते हैं। 22% युवा उत्तरदाता ने अंग्रेजी भाषा में ई-संसाधन को पढ़ना पसंद किया। इस आधार पर हम कह सकते हैं ही जशपुर के युवा उत्तरदाता हिंदी भाषा में ई-संसाधनों को पढ़ना ज्यादा पसंद करते हैं।

The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Year-8 Volume: I, Jan-March, 2026 Impact Factor 5.625 (IIFS)
Issue-29 ISSN: 2582-1296 (Online)
Website: www.theasianthinker.com **Email**: asianthinkerjournal@gmail.com

सारणी/ ग्राफ 9 : ई-संसाधनों का उपयोग करने का उद्देश्य

उद्देश्य	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
पाठ्यक्रम कार्य पूर्ण करने हेतु	09	17%
विषय के बारे में ज्ञान बढ़ाने हेतु	21	39%
प्रतियोगिता की तैयारी हेतु	13	24%
प्रोजेक्ट कार्य पूर्ण करने हेतु	11	20%
योग	54	100%

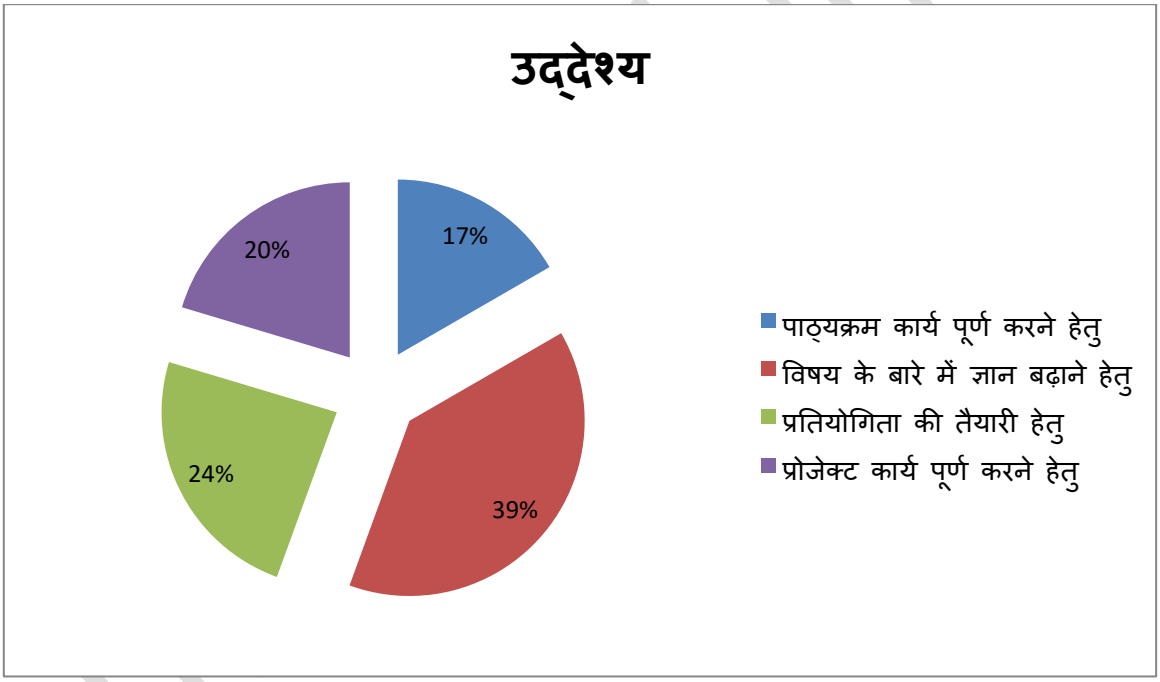

सारणी 9 का अध्ययन करने से हमें ज्ञात होता हैं की ई-संसाधनों का उपयोग 17% उत्तरदाता पाठ्यक्रम के कार्य पूर्ण करने के लिए करते हैं, 39% ऐसे हैं जो अपने विषय से संबधित ज्ञान बढ़ाने के लिए एवं 24% प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी हेतु ई-संसाधनों का उपयोग करते हैं। 20% युवा उत्तरदाता ई-संसाधनों का उपयोग प्रोजेक्ट कार्य पूर्ण करने के लिए करते हैं।

The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Year-8 Volume: I, Jan-March, 2026 Impact Factor 5.625 (IIFS)
Issue-29 ISSN: 2582-1296 (Online)
Website: www.theasianthinker.com **Email**: asianthinkerjournal@gmail.com

सारणी/ ग्राफ 10 : ई-संसाधनों के लाभ

ई-संसाधन के लाभ	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
सूचना का अच्छा स्रोत	16	30%
ई-संसाधनों तक 24*7 पहुँच	24	45%
ई-संसाधनों तक आसानी से पहुँच	06	12%
नवीन सूचना का स्रोत	07	13%
योग	54	100%

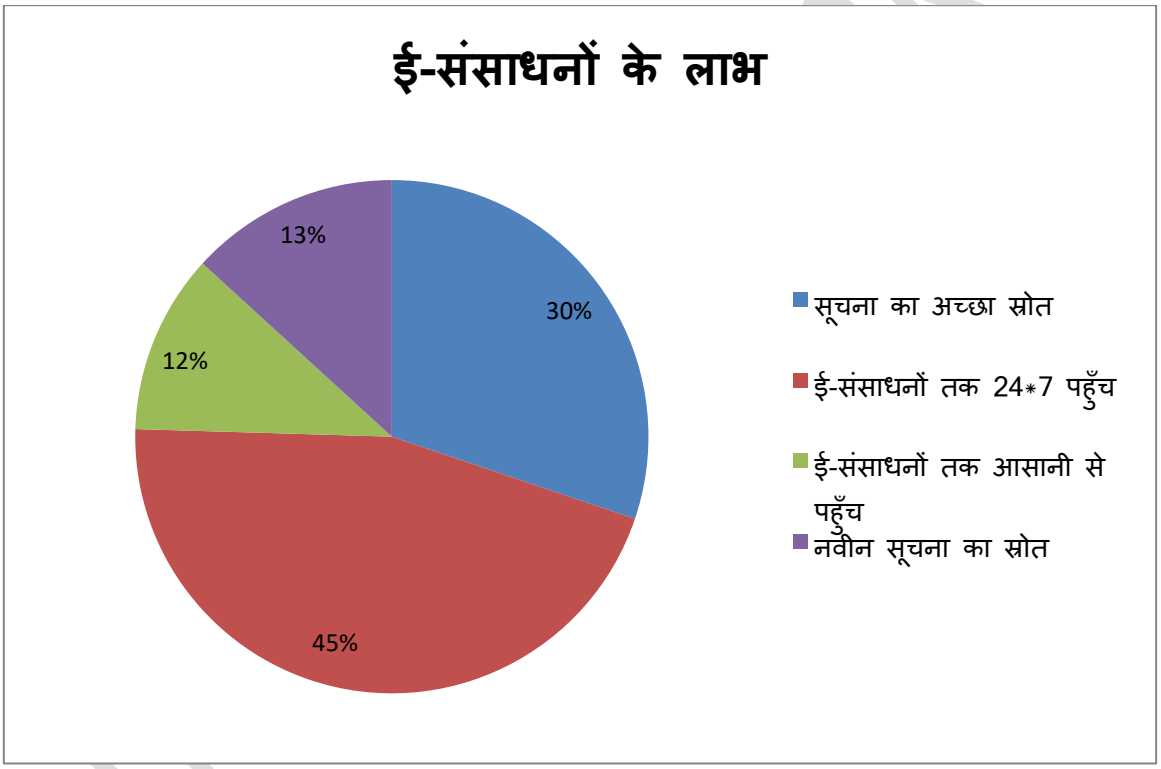

सारणी 10 से यह पता चलता हैं की 30% युवा उत्तरदाता का कहना हैं की ई-संसाधन सूचना का अच्छा स्रोत हैं, 45% विद्यार्थियों का मानना हैं की ई-संसाधनों तक 24*7 पंहुचा जा सकता हैं, जो समय की बाध्यता से दूर हैं एवं 12% विद्यार्थियों इस बात का समर्थन कर रहे थे की ई–संसाधन तक आसानी से पंहुचा जा सकता हैं। 13% युवा उत्तरदाता ने यह कहा की ई–संसाधन से नवीन सूचना प्राप्त होता हैं। निष्कर्षतः हम कह सकते हैं की ई-संसाधनों के अनेकों लाभ हैं जो इसकी लोकप्रियता को बढाती हैं, बस इसकी प्रासंगिकता पाठको के मनोवृत्ति पर निर्भर करता हैं।

The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Year-8 Volume: I, Jan-March, 2026 Impact Factor 5.625 (IIFS)
Issue-29 ISSN: 2582-1296 (Online)
Website: www.theasianthinker.com **Email**: asianthinkerjournal@gmail.com

सारणी/ ग्राफ 11 : ई-संसाधनों तक पहुँचने में आने वाली समस्या

समस्या	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
इन्टरनेट की धीमी गति	22	41%
अप्रासंगिक सूचना प्राप्त	07	13%
कौशल की कमी	04	07%
सूचना खोजने में समस्या	21	39%
योग	54	100%

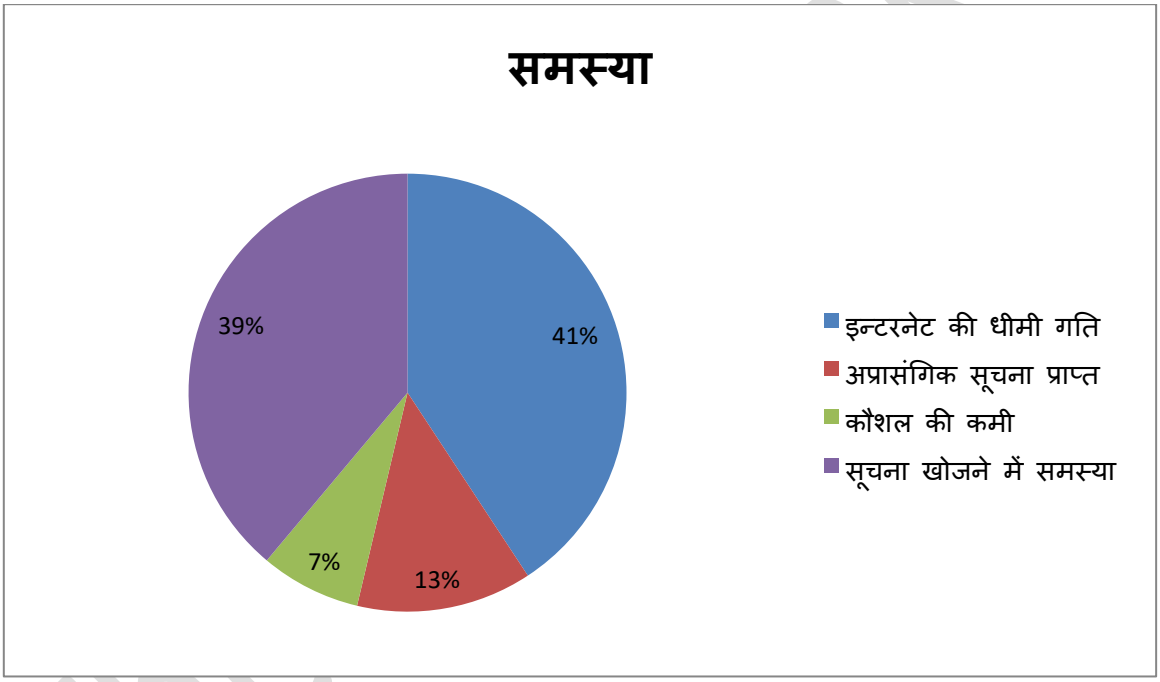

सारणी 11 से यह पता चलता है की अधिकांश उत्तरदाता 41% ने यह बात का समर्थन किया की इन्टरनेट की धीमी गति, ई-संसाधनों तक पहुँचने में बाधा उत्पन्न करती हैं, 13% ने कहा की अप्रासंगिक सूचना भी ई-संसाधनों तक पहुँचने में बाधा उत्पन्न करती हैं एवं 07% ने स्वयं की कौशल में कमी को ई-संसाधनों तक पहुँचने में बाधा माना। 39% ने यह भी बताया की ई-संसाधनों से सम्बंधित सूचना खोजने में समस्या भी उन्हें प्रभावित करती हैं। इस प्रकार हम कह सकते हैं की युवा उत्तरदाता को ई–संसाधन तक पहुँचने में बहुत सारे समस्या का सामना करना पड़ता हैं।

The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Year-8 Volume: I, Jan-March, 2026 Impact Factor 5.625 (IIFS)
Issue-29 ISSN: 2582-1296 (Online)
Website: www.theasianthinker.com **Email**: asianthinkerjournal@gmail.com

सारणी/ ग्राफ 12 : अध्ययन हेतु ई-संसाधन कितना महत्वपूर्ण

महत्वपूर्ण	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
अतिमहत्वपूर्ण	22	41%
महत्वपूर्ण	22	42%
कुछ कह नहीं सकता	07	13%
महत्वपूर्ण नहीं	02	04%
योग	54	100%

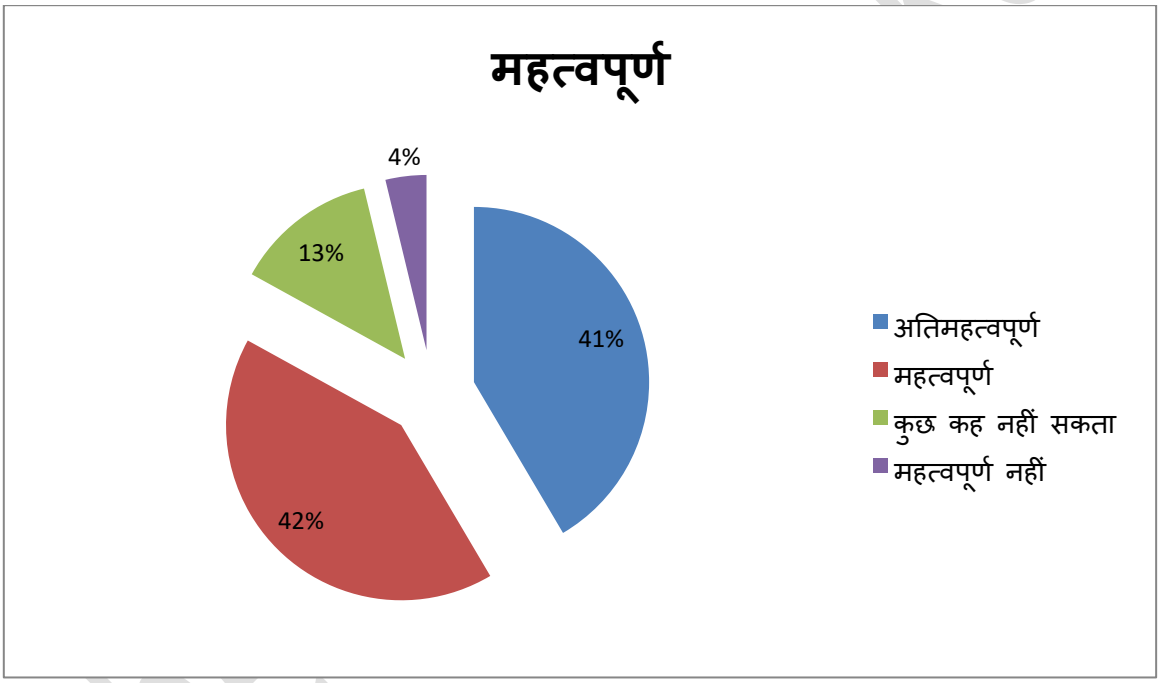

सारणी 12 से यह स्पष्ट होता है की अधिकांश युवा 41% ने ई- संसाधन को अतिमहत्वपूर्ण संसाधन माना एवं 42% युवा उत्तरदाताओं ने इसे महत्वपूर्ण माना, 13% युवा ने इस बात का जिक्र किया की वे कुछ कह नहीं सकते हैं। 04% युवा वर्ग ने ई-संसाधन को महत्वपूर्ण नहीं माना। निष्कर्ष के रूप में हम यह कह सकते हैं की ई-संसाधन अध्ययन हेतु अतिमहत्वपूर्ण संसाधन हैं। हमें इसके उपयोग एवं महत्त्व के बारे में युवा वर्ग को जागरूक करने का प्रयास करना चाहिए।

The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Year-8 Volume: I, Jan-March, 2026 Impact Factor 5.625 (IIFS)
Issue-29 ISSN: 2582-1296 (Online)
Website: www.theasianthinker.com **Email**: asianthinkerjournal@gmail.com

सारणी/ **ग्राफ** 13 : प्रिंटेड संसाधन के जगह ई-संसाधन को प्राथमिकता

प्राथमिकता	**उत्तरदाताओं की संख्या**	**प्रतिशत**
हाँ	46	85%
नहीं	08	15%
योग	54	100%

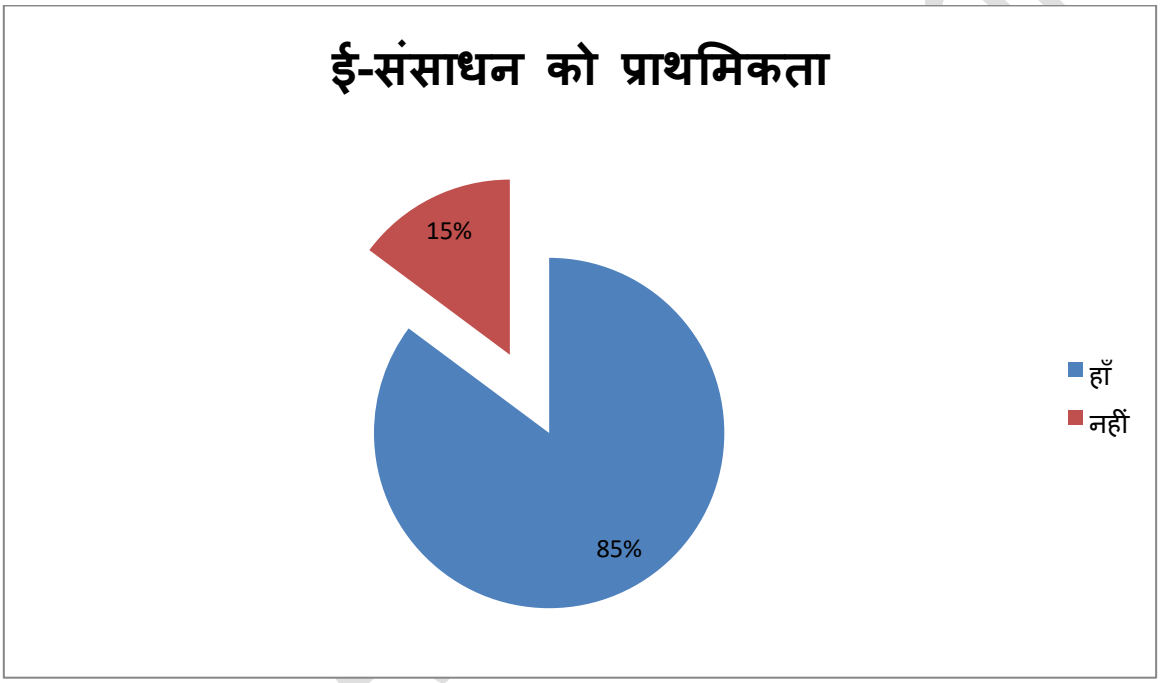

सारणी 13 से यह स्पष्ट होता हैं की अधिकांश 85% उत्तरदाताओं ने ई-संसाधन को प्रिंटेड संसाधन के जगह उपयोग करने के जगह प्राथमिकता देते हैं। 15 % उत्तरदाता परम्परागत मुद्रित संसाधन के जगह ई-संसाधन का उपयोग करना पसंद नहीं करते है। आज के वर्तमान समय में दिन प्रति दिन ई-संसाधन की उपयोगिता बढ़ती जा रही हैं, जो इसे अधिक सुगमता से उपयोग करने को प्रेरित करता हैं।

सारणी/ **ग्राफ** 14 : ई-संसाधन के उपयोग का स्थान

The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Year-8 Volume: I, Jan-March, 2026 Impact Factor 5.625 (IIFS)
Issue-29 ISSN: 2582-1296 (Online)
Website: www.theasianthinker.com **Email**: asianthinkerjournal@gmail.com

स्थान	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
पुस्तकालय	12	22%
महाविद्यालय	05	09%
घर	08	15%
कहीं भी, कभी भी	29	54%
योग	54	100%

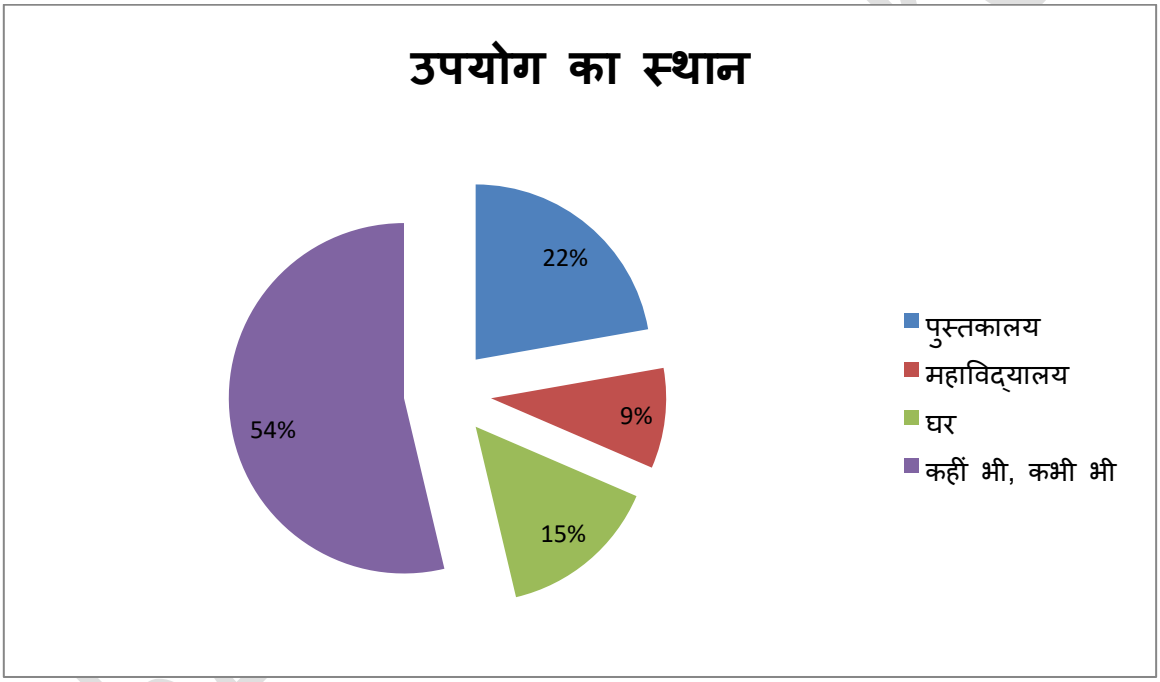

सारणी 14 से यह ज्ञात होता हैं की अधिकांश 54% युवाओं ने ई-संसाधन को कहीं भी, कभी भी उपयोग करना पसंद किया, 22% ने पुस्तकालय में उपयोग करना, 15% ने घर में एवं 09% युवा उत्तरदाताओं ने महाविद्यालय में ई-संसाधन को उपयोग करना पसंद किया। निष्कर्ष के रूप में हम कह सकते हैं की ई-संसाधन की ऑनलाइन उपलब्धता उपयोगकर्ता को कही भी, कभी भी पढ़ने में सुलभ होता हैं, जिससे इसकी उपयोगिता बढ़ जाती हैं।

ग्राफ 15 : पसंदीदा भाषा में ई-संसाधन की उपलब्धता

The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Year-8 Volume: I, Jan-March, 2026 Impact Factor 5.625 (IIFS)
Issue-29 ISSN: 2582-1296 (Online)
Website: www.theasianthinker.com **Email**: asianthinkerjournal@gmail.com

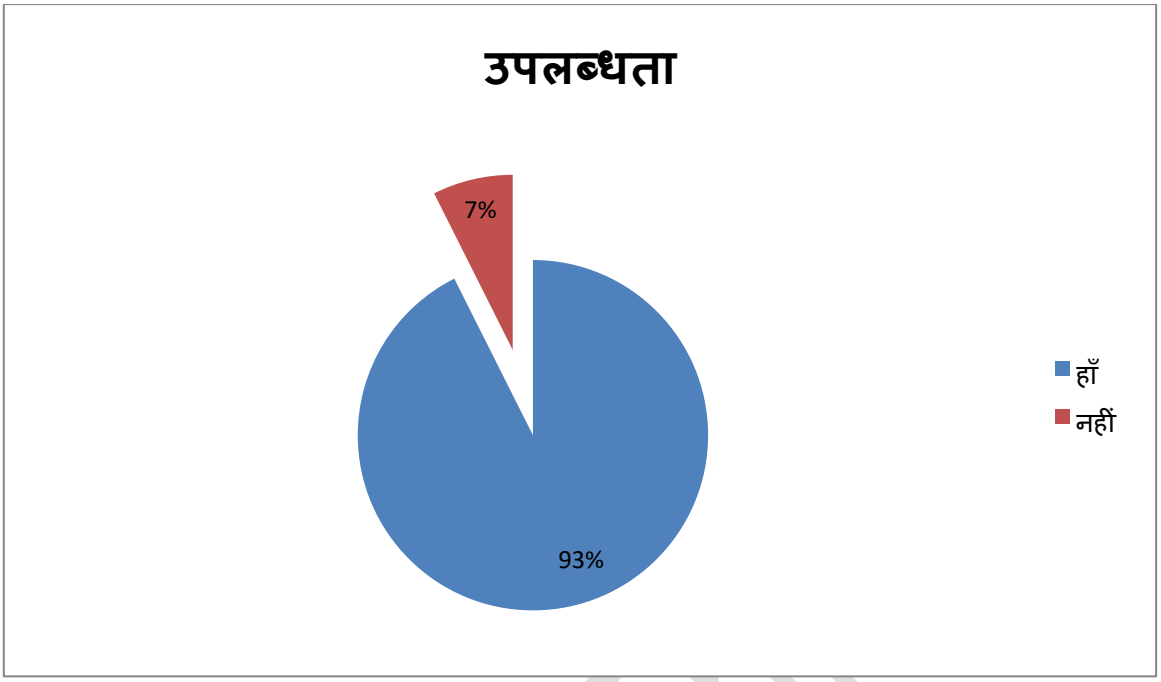

सारणी 15 से यह स्पष्ट होता हैं की अधिकांश उत्तरदाता ने यह माना हैं की उनको उनकी पसंदीदा भाषा में ई संसाधन प्राप्त हो जाता हैं, 07 % लोगो को पसदीदा भाषा में प्राप्त नहीं हो पाया।

ग्राफ 16: ओपन सोर्स में ई-संसाधन की पर्याप्त उपलब्धता

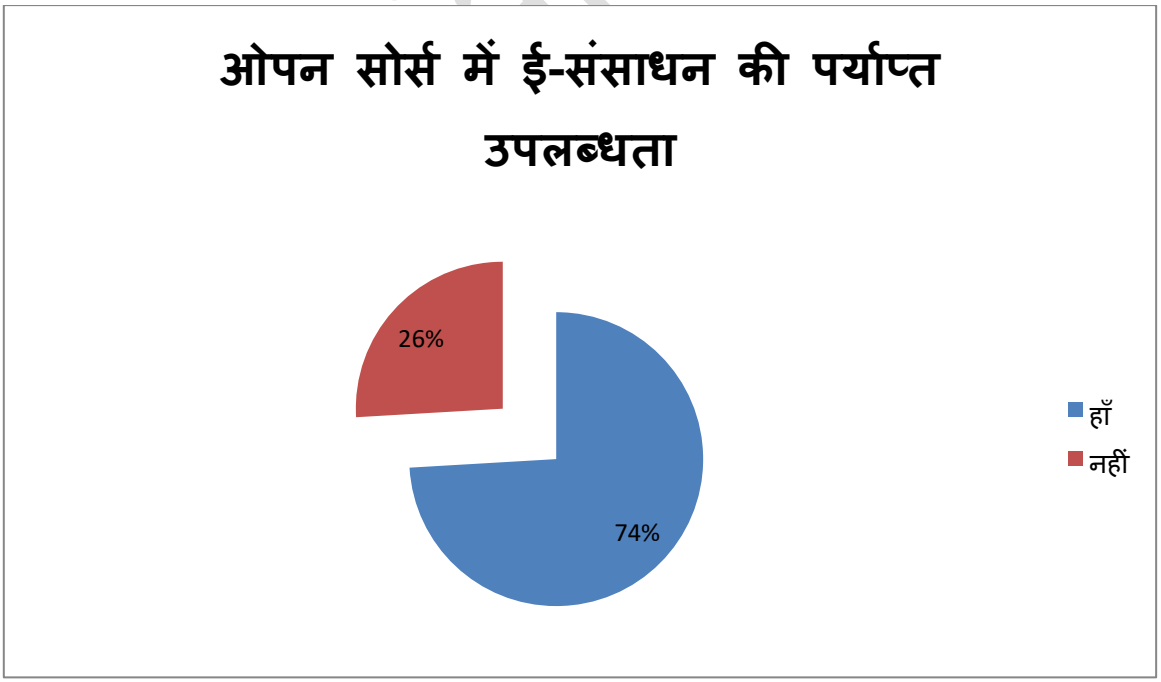

The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Year-8 Volume: I, Jan-March, 2026 Impact Factor 5.625 (IIFS)
Issue-29 ISSN: 2582-1296 (Online)
Website: www.theasianthinker.com **Email**: asianthinkerjournal@gmail.com

सारणी 16 का अवलोकन करने पर ज्ञात होता हैं की अधिकांश 74% युवा उत्तरदाताओं को ओपन सोर्स में ई-संसाधन पर्याप्त मात्रा में मिल जाता हैं एवं 26% उत्तरदाता ने इस बात का समर्थन किया की उन्हें ओपन सोर्स माध्यम से ई-संसाधन की पर्याप्त मात्रा नहीं मिल पाता हैं।

ग्राफ 17: ई-संसाधन के उपयोग से संतुष्टता

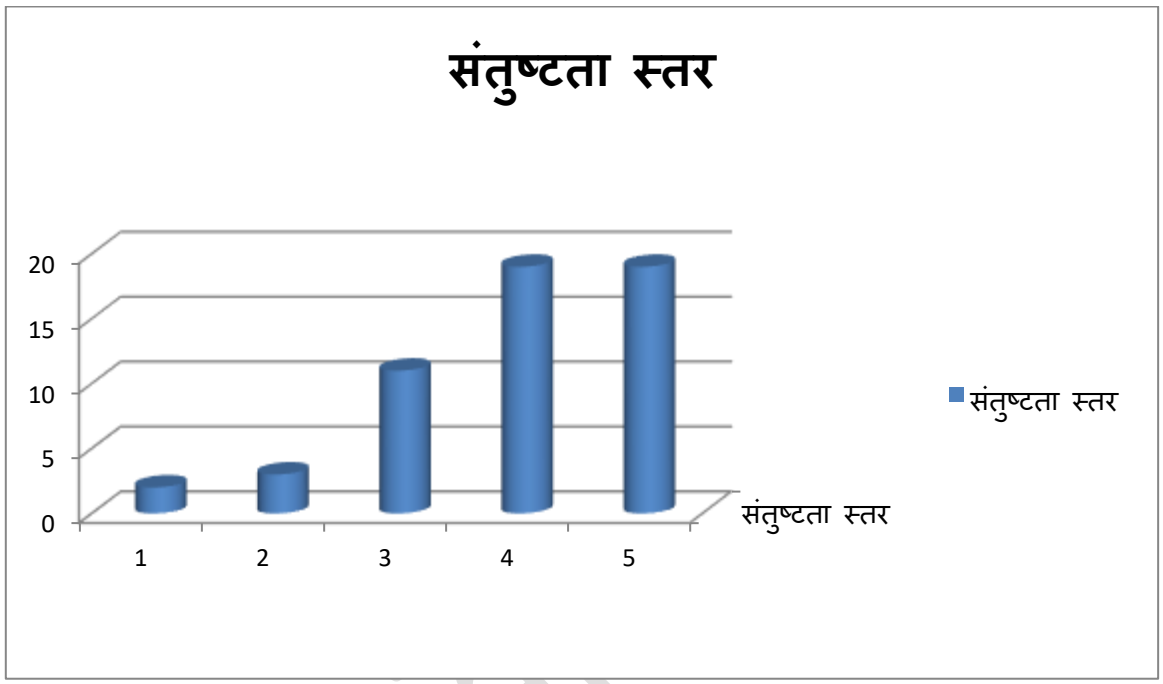

नतीजों पर चर्चा एवं सुझाव:

- इस अध्ययन से हमें ज्ञात होता हैं की अधिकांश 89% युवा उत्तरदाता ई-संसाधनों के बारे में जानते हैं एवं 11% ई-संसाधनों के बारे में नहीं जानते हैं। निष्कर्ष के रूप में हम कह सकते हैं की अधिकतर युवा में ई-संसाधनों के बारे में जानकारी हैं।
- इस लघु शोध से यह पता चलता हैं की 91% युवा उत्तरदाता ई-संसाधनों का उपयोग करते हैं एवं 09 % उत्तरदाता ई-संसाधनों का उपयोग नहीं करते हैं। निष्कर्ष के रूप में हम कह सकते हैं की अधिकतर उत्तरदाता में ई-संसाधनों का उपयोग करते हैं।
- अध्ययन का अवलोकन करने से ज्ञात होता हैं की अधिकांश 76% युवा ई-संसाधन से सम्बंधित वेबसाइट के बारे में जानते हैं एवं 24% युवा उत्तरदाता ई-संसाधन से सम्बंधित वेबसाइट के बारे में नहीं जानते है।

The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Year-8 Volume: I, Jan-March, 2026 Impact Factor 5.625 (IIFS)
Issue-29 ISSN: 2582-1296 (Online)
Website: www.theasianthinker.com **Email**: asianthinkerjournal@gmail.com

- इस अध्ययन से यह ज्ञात होता हैं की 24% युवा उत्तरदाता को ई- संसाधनों के बारें में जानकारी शिक्षकों के द्वारा मिला, 21% उत्तरदाता को ई- संसाधनों के बारें में जानकारी पुस्तकालयाध्यक्ष एवं मित्रों के द्वारा प्राप्त हुआ हैं। 33% को ई- संसाधनों के बारें में जानकारी सोशल मीडिया के द्वारा प्राप्त हुआ हैं एवं 22% युवाओं को ई संसाधन के बारे में जानकारी उनके मित्रों के द्वारा प्राप्त हुवा। अतः हम यह कह सकते हैं की अधिकांश उत्तरदाता को सोशल मीडिया द्वारा ई-संसाधन के बारे में जानकारी प्राप्त हुआ हैं।
- अधिकतर 83% उत्तरदाता ई-संसाधनों तक पहुंचने के लिए मोबाइल का उपयोग करते हैं, 09% कंप्यूटर का एवं 04% उत्तरदाता लैपटॉप का प्रयोग ई-संसाधनों तक पहुंचने के लिए करते हैं। 04% युवा उत्तरदाता ई-संसाधनों तक पहुंचने के लिए अन्य माध्यम का प्रयोग करते हैं। निष्कर्षतः हम कह सकते हैं की अधिकांश उत्तरदाता मोबाइल का प्रयोग ई-संसाधनों तक पहुंचने के लिए करते हैं।
- अधिकांश 83% उत्तरदाता ई-संसाधनों तक पहुंचने के लिए मोबाइल का उपयोग करते हैं, 09% कंप्यूटर का एवं 04% उत्तरदाता लैपटॉप का प्रयोग ई-संसाधनों तक पहुंचने के लिए करते हैं। 04% युवा उत्तरदाता ई-संसाधनों तक पहुंचने के लिए अन्य माध्यम का प्रयोग करते हैं। निष्कर्षतः हम कह सकते हैं की अधिकांश उत्तरदाता मोबाइल का प्रयोग ई-संसाधनों तक पहुंचने के लिए करते हैं।
- अधिकतर 43% युवा उत्तरदाता ई-संसाधनों को पढ़ने के लिए हिंदी भाषा को पसंद करते हैं, 18% उत्तरदाता दोनों भाषाओं (हिंदी एवं अंग्रेजी) में सामान्य रूप से पसंद करते हैं एवं 17% उत्तरदाता हिंदी एवं अंग्रेजी का मिश्रित रूप में ई-संसाधनों को पढ़ना पसंद करते हैं। 22% युवा उत्तरदाता ने अंग्रेजी भाषा में ई-संसाधन को पढ़ना पसंद किया। इस आधार पर हम कह सकते हैं ही जशपुर के युवा उत्तरदाता हिंदी भाषा में ई-संसाधनों को पढ़ना ज्यादा पसंद करते हैं।
- हमें ज्ञात होता हैं की ई-संसाधनों का उपयोग 17% उत्तरदाता पाठ्यक्रम के कार्य पूर्ण करने के लिए करते हैं, 39% ऐसे हैं जो अपने विषय से संबधित ज्ञान बढ़ाने के लिए एवं 24% प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी हेतु ई-संसाधनों का उपयोग करते हैं। 20% युवा उत्तरदाता ई-संसाधनों का उपयोग प्रोजेक्ट कार्य पूर्ण करने के लिए करते हैं।
- 30% युवा उत्तरदाता का कहना हैं की ई-संसाधन सूचना का अच्छा स्रोत हैं, 45% विद्यार्थियों का मानना हैं की ई-संसाधनों तक 24*7 पंहुचा जा सकता हैं, जो समय की बाध्यता से दूर हैं एवं 12% विद्यार्थियों इस बात का समर्थन कर रहे थे की ई–संसाधन तक आसानी से पंहुचा जा सकता हैं। 13% युवा उत्तरदाता ने यह कहा की ई–संसाधन से नवीन सूचना प्राप्त होता हैं। निष्कर्षतः हम कह सकते हैं की ई-संसाधनों के अनेकों लाभ हैं जो इसकी लोकप्रियता को बढाती हैं, बस इसकी प्रासंगिकता पाठको के मनोवृत्ति पर निर्भर करता हैं।

The Asian Thinker

The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Year-8 Volume: I, Jan-March, 2026 Impact Factor 5.625 (IIFS)
Issue-29 ISSN: 2582-1296 (Online)
Website: www.theasianthinker.com **Email**: asianthinkerjournal@gmail.com

- अधिकांश उत्तरदाता 41% ने यह बात का समर्थन किया की इन्टरनेट की धीमी गति, ई-संसाधनों तक पहुँचने में बाधा उत्पन्न करती हैं, 13% ने कहा की अप्रासंगिक सूचना भी ई-संसाधनों तक पहुँचने में बाधा उत्पन्न करती हैं एवं 07% ने स्वयं की कौशल में कमी को ई-संसाधनों तक पहुँचने में बाधा माना। 39% ने यह भी बताया की ई-संसाधनों से सम्बंधित सूचना खोजने में समस्या भी उन्हें प्रभावित करती हैं। इस प्रकार हम कह सकते हैं की युवा उत्तरदाता को ई–संसाधन तक पहुँचने में बहुत सारे समस्या का सामना करना पड़ता हैं।
- इस अध्ययन से यह स्पष्ट होता है की अधिकांश युवा 41% ने ई- संसाधन को अतिमहत्वपूर्ण संसाधन माना एवं 42% युवा उत्तरदाताओं ने इसे महत्वपूर्ण माना, 13% युवा ने इस बात का जिक्र किया की वे कुछ कह नहीं सकते हैं। 04% युवा वर्ग ने ई-संसाधन को महत्वपूर्ण नहीं माना। निष्कर्ष के रूप में हम यह कह सकते हैं की ई-संसाधन अध्ययन हेतु अतिमहत्वपूर्ण संसाधन हैं। हमें इसके उपयोग एवं महत्त्व के बारे में युवा वर्ग को जागरूक करने का प्रयास करना चाहिए।
- अधिकांश 85% उत्तरदाताओं ने ई-संसाधन को प्रिंटेड संसाधन के जगह उपयोग करने के जगह प्राथमिकता देते हैं । 15 % उत्तरदाता परम्परागत मुद्रित संसाधन के जगह ई-संसाधन का उपयोग करना पसंद नहीं करते है।
- अध्ययन से यह ज्ञात होता हैं की अधिकांश 54% युवाओं ने ई-संसाधन को कहीं भी, कभी भी उपयोग करना पसंद किया, 22% ने पुस्तकालय में उपयोग करना, 15% ने घर में एवं 09% युवा उत्तरदाताओं ने महाविद्यालय में ई-संसाधन को उपयोग करना पसंद किया। निष्कर्ष के रूप में हम कह सकते हैं की ई-संसाधन की ऑनलाइन उपलब्धता उपयोगकर्ता को कही भी, कभी भी पढ़ने में सुलभ होता हैं, जिससे इसकी उपयोगिता बढ़ जाती हैं।
- अधिकांश उत्तरदाता ने यह माना हैं की उनको उनकी पसंदीदा भाषा में ई संसाधन प्राप्त हो जाता हैं, 07 % लोगो को पसदीदा भाषा में प्राप्त नहीं हो पाया।
- इस अध्ययन का अवलोकन करने पर ज्ञात होता हैं की अधिकांश 74% युवा उत्तरदाताओं को ओपन सोर्स में ई-संसाधन पर्याप्त मात्रा में मिल जाता हैं एवं 26% उत्तरदाता ने इस बात का समर्थन किया की उन्हें ओपन सोर्स माध्यम से ई-संसाधन की पर्याप्त मात्रा नहीं मिल पाता हैं।

सुझाव :

- ✓ जनजातीय समुदाय के वयस्कों में ई-संसाधनों की जागरूकता बढ़ाने हेतु स्थानीय भाषा में प्रशिक्षण एवं कार्यशालाओं का आयोजन किया जाना चाहिए।
- ✓ जशपुर जिले के ग्रामीण एवं जनजातीय क्षेत्रों में इंटरनेट कनेक्टिविटी और डिजिटल अवसंरचना को सुदृढ़ किया जाना आवश्यक है।

The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Year-8 Volume: I, Jan-March, 2026 Impact Factor 5.625 (IIFS)
Issue-29 ISSN: 2582-1296 (Online)
Website: www.theasianthinker.com **Email**: asianthinkerjournal@gmail.com

- ✓ पुस्तकालयों एवं सामुदायिक सूचना केंद्रों में ई-संसाधनों तक निःशुल्क पहुँच उपलब्ध कराई जानी चाहिए।
- ✓ ई-संसाधनों के उपयोग में आने वाली तकनीकी बाधाओं को समझकर सरल और उपयोगकर्ता-अनुकूल डिजिटल प्लेटफॉर्म विकसित किए जाने चाहिए।
- ✓ डिजिटल साक्षरता कार्यक्रमों को वयस्क शिक्षा योजनाओं से जोड़कर प्रभावी बनाया जाना चाहिए।
- ✓ स्थानीय प्रशासन एवं शैक्षणिक संस्थानों के सहयोग से जनजातीय समुदाय के लिए विशेष ई-सूचना सेवाएँ प्रारंभ की जानी चाहिए।
- ✓ मोबाइल आधारित ई-संसाधनों के उपयोग को बढ़ावा दिया जाना चाहिए, क्योंकि मोबाइल उपकरण जनजातीय क्षेत्रों में अधिक प्रचलित हैं।
- ✓ ई-संसाधनों की सामग्री को जनजातीय संस्कृति, आवश्यकताओं और जीवन-शैली के अनुरूप विकसित किया जाना चाहिए।
- ✓ ई-संसाधनों के नियमित उपयोग हेतु प्रेरणा देने के लिए सफलता कथाओं और उदाहरणों का प्रचार किया जाना चाहिए।

निष्कर्ष: निष्कर्ष के रूप में हम यह कह सकते हैं की इस अध्ययन में जशपुर जिले के जनजातीय समुदाय के वयस्कों में ई-संसाधनों (जैसे ई-बुक, ई-जर्नल, ई-थीसिस, ई-लाइब्रेरी, ऑनलाइन शिक्षा प्लेटफॉर्म और डिजिटल सरकारी सेवाएं) के प्रति जागरूकता एवं उपयोग की स्थिति का गहन विश्लेषण किया गया। प्राथमिक डेटा संग्रह के माध्यम से प्राप्त परिणामों से स्पष्ट होता है कि जनजातीय वयस्कों में ई-संसाधनों की जागरूकता का स्तर मध्यम से अधिक है, जहाँ लगभग 89% प्रतिभागियों ने ई-संसाधनों की जानकारी होने की बात स्वीकारी एवं 91% युवा वर्ग इसका उपयोग करते हैं। उपयोग के संदर्भ में, दैनिक उपयोग की दर मात्र 59% है ।

ई-संसाधनों का उचित उपयोग जनजातीय वयस्कों को शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और आर्थिक अवसरों तक बेहतर पहुंच प्रदान कर सकता है, जिससे सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण संभव हो। सिफारिश के रूप में, सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों को स्थानीय भाषाओं में डिजिटल साक्षरता कार्यशालाएं आयोजित करनी चाहिए, मोबाइल वैन के माध्यम से इंटरनेट पहुंच बढ़ानी चाहिए, तथा जनजातीय संस्कृति से जुड़े कस्टमाइज्ड ई-संसाधन विकसित करने चाहिए। साथ ही, पंचायती राज संस्थाओं को जागरूकता अभियानों में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। इस शोध अध्ययन के माध्यम से जनजातीय समुदाय के वयस्कों में ई-संसाधनों की जानकारी, पहुँच और उपयोग की स्थिति का समग्र मूल्यांकन किया गया। अधिकांश उत्तरदाताओं ने बताया की वे प्रतिदिन ई-संसाधनों का प्रयोग पाठ्यक्रम पूर्ण, असाइनमेंट एवं प्रोजेक्ट कार्य पूर्ण करने एवं सामाजिक जागरूकता हेतु करते

The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Year-8 Volume: I, Jan-March, 2026 Impact Factor 5.625 (IIFS)
Issue-29 ISSN: 2582-1296 (Online)
Website: www.theasianthinker.com **Email**: asianthinkerjournal@gmail.com

हैं, जिससे उनको सामाजिक वातावरण का ज्ञान प्रतिदिन प्राप्त होता हैं। इस अध्ययन में अधिकांश उत्तरदाताओं ने ई-संसाधन को महत्वपूर्ण माना और वे इससे संतुष्ट थे। ई-संसाधन जनजातीय समुदाय के बच्चों एवं युवाओं के शिक्षा पूर्ण करने में मदद करती हैं। इस अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि यदि उचित दिशा में प्रयास किए जाएं तो जनजातीय समुदाय भी डिजिटल युग में भागीदार बन सकते हैं। उन्हें तकनीकी संसाधनों तक समान पहुंच प्रदान करने हेतु नीतिगत और सामाजिक स्तर पर समन्वित प्रयासों की आवश्यकता है।

सन्दर्भ:

1. Sahu, Sunil Kumar. (2025). A Study on Awareness and Use of E-Resources Among Undergraduate Students of Library and Information Science :A Case Study of Sant Gahira Guru University. Shodh Varta, 4(3), 01-06.
2. Sahu, Sunil Kumar. (2025). जनजातीय समुदाय के बच्चों एवं वयस्कों में ई-संसाधनों के प्रति जागरूकता एवं उपयोग का अध्ययन : जशपुर जिला के विशेष सन्दर्भ में. The Asian Thinker, 7(2), 103-115.
3. Singh, Kuldeep. (2019). Awareness and use of e-resources among the users of library of Punjabi University Patiala: A case study. Journal of Indian Library Association, 55 (4), 59-66.
4. Thanuskodi, S. (2012). Use of A-resources by the students and researchers of Faculty of Arts, Annamalai University. International Journal of Library Science, 1(1), 1-7.
5. Ananda, S.K. (2017). Usage and Awareness of Electronic Information Resources Among UG & PGStudents of T John College, Bangalore: A Study. International Journal of Library and Information Studies, 7(1), 20-25.
6. Shantaram, Dr. Pranesh. (2024). A study of awareness and use of e-resources among users of degree college libraries. Shodhkosh: Journal of Visual and Performing Arts, 5(2), 898–901.
7. Mahato, Moushumi. (2023). Awareness of e-resources among the library and information science students in SCB university: a study. International Journal of Creative Research Thoughts, 11(3), 408-414.
8. Gautam, Awadhesh Singh & Sinha, Dr. Manoj Kumar. (2017). Use of Electronic Resources Among Research Scholars and Faculty Members of University of

The Asian Thinker

Allahabad, Uttar Pradesh, India: A Survey. Library Progress (International), 37(2), 1-12.

9. Sahu, Sunil Kumar. (2025). स्नातक स्तर के छात्रों में ई-संसाधनों के प्रति जागरूकता और उपयोग का अध्ययन : शासकीय राम भजन राय एन.ई.एस. स्नातकोत्तर महाविद्यालय जशपुर नगर (छ.ग.) के विशेष सन्दर्भ में. The Asian Thinker, 7(2), 116-126.
10. Sahu, Sunil Kumar. (2025). स्नातकोत्तर विद्यार्थियों में ई-संसाधनों के प्रति जागरूकता और उपयोग का अध्ययन : शासकीय रा.भ.रा.एन.ई.एस. स्नातकोत्तर (अग्रणी) महाविद्यालय जशपुर के सन्दर्भ में. The Asian Thinker, 7(4), 157-169.

The Asian Thinker